above) on the Live Register of Employment Exchanges refers to 30th June, 1977, which was 53.91 lakhs. During the next Financial year, the number of persons likely to be covered would depend on the employment opportunities created. As per the employment strategy for the next Five Year Plan, which is under formulation, broadly, the largest employment would lie in intensive argiculture through expanded irrigation, allied activities like dairy development, horticulture and forestry, rural works and cottage and small scale industries. New jobs will also be created by investments in infrastructure and the provision of agricultural inputs and also in the Service Sector. Substantial employment opportunities during the next Plan are to be provided to the educated unemployed also, besides others.

**परिवार कल्याण के क्षेत्र में उपलब्धियां**

*50. **श्री सुखेन्द्र सिंह :**

**श्री आर० वी० स्वामीनाथन :**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) परिवार कल्याण के क्षेत्र की उपलब्धियां वर्ष 1977–78 के लिए निर्धारित लक्ष्य से बहुत कम रही हैं ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) परिवार कल्याण को सफल बनाने के लिए क्या नीति अपनाई जा रही है ; और

(ग) इस समय जन्म दर क्या है और सरकार का इसे 1980 तक कितना कम करने का विचार है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव)** : (क) 1977–78 के प्रथम नौ महीनों (अप्रैल–दिसम्बर) के दौरान गर्भरोधन के अनेक तरीकों से सम्बन्धित जितने अनुमानित लक्ष्य पूरे किए गए वे नीचे दिए गए हैं :

| तरीका | वर्ष के अनुमानित लक्ष्य | उपलब्धियां 1977–78 (अप्रैल–दिसम्बर) |
|---|---|---|
| स्वेच्छा से नसबन्दी* | 4,000,000 | 569,031 |
| आपरेशन | | |
| लूप निवेशन | 1,000,000 | 184,546** |
| अन्य तरीके | 5,000,000 | 2,713,875 |

*अप्रैल, 1977 से स्वैच्छिक 1 अगस्त, 1977 में यह स्पष्ट कर दिया गया था कि स्वैच्छिक नसबन्दी आपरेशनों के कार्य में प्रत्याशित स्तर प्राप्त करने के लिये जोर नहीं दिया जायेगा ।

**इसमें नये बनाये गये 25,325 कापर टी लूप भी शामिल हैं ।

वर्ष 1976-77 के दौरान इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के विरुद्ध विशेषकर देश के कुछ भागों में नसबन्दी कार्यक्रम के चलाने में की गयी जोर-जबरदस्ती के बारे में लोगों की जो अनेक शिकायतें थीं उनके कारण परिवार कल्याण कार्यक्रम को गम्भीर धक्का लगा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष नसबन्दी कार्यक्रम के कार्य-निष्पादन में हुए ह्रास का कारण यह है कि इस नीति में हाल ही में जो परिवर्तन किये गए हैं उनमें इस कार्यक्रम को स्वेच्छा से अपनाये जाने पर बल दिया गया है और गर्भरोधन के सभी तरीकों को समान महत्व दिया गया है। इसके अतिरिक्त हतोत्साहनों को वापिस लेना और नसबन्दी आपरेशनों के लक्ष्यों की बात को समाप्त कर देना भी इसका कारण हो सकता है।

(ख) परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में वर्तमान सरकार की नीति यह है कि इस कार्यक्रम को पूर्णतः स्वैच्छिक कार्यक्रम के रूप में और व्यापक नीति के ही अभिन्न अग के रूप में चलाया जाएगा जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, मातृ एव शिशु देखरेख परिवार कल्याण, महिलाओं के अधिकार और पोषण शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की जोर जबरदस्ती नहीं की जाएगी। माताओं और बच्चों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लोगों में छोटे परिवार के आदर्श को लोकप्रिय बनाने के लिए उन्हें जानकारी देने और प्रेरित करने के प्रयास बढ़ा दिए गए हैं। आधारभूत दावे को सुधारने के भी प्रयास किए जा रहे हैं ताकि जो लोग इन सेवाओं का लाभ उठाना चाहते हों उन्हें यह उनके निकट तत्काल सुलभ की जा सकें।

इस कार्यक्रम को तेज करने और लोगों को सरकार की नई नीति के बारे में बताने के लिए अक्तूबर और दिसम्बर, 1977 में दो परिवार कल्याण पखवाड़े मनाए गए जिनमें प्रेस, रेडियो और दूरदर्शन सहित सभी प्रचार-साधनों के माध्यम से व्यापक प्रचार किया गया। इसके अलावा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने के लिए उन राज्य अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए जिम्मेदार थे और इस सम्मेलन में नीति निर्धारित की गई। इसी प्रकार शिक्षा और प्रेरणा के प्रयासों में फिर से जान डालने के लिए राज्य प्रचार-साधन और शिक्षा अधिकारियों का सम्मेलन बुलाया। केन्द्रीय परिवार कल्याण परिषद ने जनवरी, 1978 में सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की और इस कार्यक्रम के महत्व की पुनः स्पष्ट रूप से पुष्टि की।

(ग) भारत के महापंजीयक की नमूना पंजीयन पद्धति के अनुसार वर्ष 1975-76 में प्रति हजार जनसंख्या के पीछे जन्म-दर 34.4 था। परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इस समय प्रति हजार जनसंख्या के पीछे जन्म-दर 33 के करीब होने की सम्भावना है। केन्द्रीय परिवार कल्याण परिषद् ने जनवरी, 1978 में हुई अपनी बैठक में 1982-83 तक जन्म-दर को घटाकर प्रति हजार जनसंख्या के पीछे 30 तक लाने के जनसांख्यिकीय उद्देश्य की सिफारिश की है।

**Establishment of Mini-Steel Plants**

*51. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government have abandoned the proposal to extend the establishment of mini-steel plants;

(b) whether several proposals for the establishment of mini-steel plants have been pending with Government for approval;

(c) the number of such pending plants State-wise; and

(d) the period since when these plants are pending approval?